संख्या 120 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में सहकारी समितियों के गठन, कार्यकरण तथा वित्तीय स्थिति सम्बन्धी परिनियत जांच इस बीच पूरी हो गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले ?

सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ब० सू० मूर्त्ति) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

राज्य मुख्य मंत्रियों का सम्मेलन

*43. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री यशपाल सिंह :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
डा० रानेन सेन :
श्री दीनेन भट्टाचार्य :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री हेम बरुआ :
श्री रा० गि० कुवे :
श्री पें० वेंकटासुब्बया :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री बड़े :
श्री जसवन्त मेहता :
श्री कपूर सिंह :
श्री नरसिम्हा रेड्डी :
श्री दे० द० पुरी :
श्री क० ना० तिवारी :
श्री द्वारका दास मन्त्री :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :
श्री दलजीत सिंह :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री नि० रं० लास्कर :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री शिव चरण गुप्त :
श्री राम हरख यादव :
श्री रा० बरुआ :
श्री डा० ना० तिवारी :
श्री किशन पटनायक :
श्रीमती रेणु चक्रवर्ती :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जून, 1964 में हुए राज्यों के मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन में देश की खाद्य स्थिति पर भी विचार किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो खाद्य समस्या को हल करने के लिये तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये क्या निर्णय किये गये थे ;

(ग) निर्णयों को लागू करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं, अथवा उठाने का विचार है ; और

(घ) क्या अन्य देशों का सहयोग भी लिया जायेगा ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री चि० सुब्रह्मण्यम्) : (क) जी हां :

(ख) और (ग). सम्मेलन में लिये गये निर्णयों और उन पर की गयी कार्यवाही बताने वाला एक विवरण सभा के पटल पर रखा जाता है । [पुस्तकालय में रखा गया । देखिए संख्या एल० टी०-3002/64]

(घ) जी, हां ।

Conference of Ministers of Co-operation

*44. Shri P. Venkatasubbaiah:
Shri Vishram Prasad:
Shri Yashpal Singh:
Shri P. C. Borooah:
Shri D. D. Mantri:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Gokulananda Mohanty: